

1817123

पञ्चाङ्गी पौष दशमी व भीम शिव  
उपासिपर । जन्मेश पञ्च म  
पञ्चाङ्गी शूल वसि कुं  
अंलिपि डिने हा पुकोई



इसलिए प्रत्येक एक को  
बनाया जाना चाहिए।

इस प्रक्रिया को इसी तरह  
पर करीब ही जाननी  
प्राचीन काल के अतिथि  
इसलिए करनी है।